पु॰ना International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Grade -V

Sanskrit

Specimen

Copy

Year- 2021-22

अनुक्रमणिका

Pa- 1 chapter (1 to 3)	Sa -1 chapter – (1 to 6)

NO	TITLE	PAGE-NO
प्रथमःपाठः	संस्कृत–वर्णमाला	3
द्वितीयःपाठः	संयुक्त–व्यञ्जनानि	7

प्रथमःपाठः संस्कृत-वर्णमाला

पाठ का परिचय

स्वरवर्णाः

अ आ इ ई उ ऊ ऋ

ॠ ऌ ए ऐ ओ औ

- **अनुस्वार - अं**
- **विसर्ग - अः**

व्यञ्जनानि

- क वर्गः - क ख ग घ ङ
- च वर्गः - च छ ज झ ञ
- ट वर्ग : - ट ठ ड ढ़ ण
- त वर्गः - त थ द ध न
- प वर्गः - प फ ब भ म
- अन्तःस्थाः - य र ल व
- उष्माण - श ष स ह

संयुक्त-व्यञ्जनवर्णाः

- क्ष- क + ष
- त्र- त + र
- ज्ञ- ज + ञ
- श्र- श + र
- द्य- द + य
- स्त्र-स + र

वर्ण- वर्ण भाषा की सबसे छोटी इकाई है। वर्ण को ही अक्षर कहाँ जाता है। जैसे- अ, इ, क, च, फ

वर्णमाला- वर्णो के समूह को वर्णमाला कहते हैं।

वर्ण

स्वरवर्ण **व्यञ्जनवर्ण**

1- **स्वरवर्ण-** स्वरवर्ण वे वर्ण हैं जिनके उच्चारण में किसी दुसरे वर्ण की सहायता नहीं लेनी पड़ती है। स्वरवर्ण 13 हैं।

जैसे- अ आ इ ई उ ऊ ऋ

ॠ ऌ ए ऐ ओ औ

2-**व्यञ्जनवर्ण** - व्यञ्जन वर्णो का उच्चारण स्वरवर्णो की सहायता से होता है। व्यञ्जन 33 होत है।

- क वर्गः - क ख ग घ ङ
- च वर्गः - च छ ज झ ञ
- ट वर्ग : - ट ठ ड ढ ण
- त वर्गः - त थ द ध न
- प वर्गः - प फ ब भ म
- अन्तःस्थाः - य र ल व
- उष्माण - श ष स ह

अभ्यासकार्यम

प्र-1 रिक्तस्थानों को पूर्ति करो।

1- तवर्गः त ,थ ,द ,ध ,न

2- कवर्ग क ,ख , ग , घ ,ङ

3- ह्रस्वस्वराः अ ,इ , उ , ऋ , लृ

4- दीर्घस्वराः आ,ई ,ऊ , ॠ , ए , ऐ , ओ ,औ

5- अन्तः स्थाः य , र ,ल , व

6- ऊष्माणः श ,ष , स ,ह

बहुवैकल्पिक प्रश्नाः

2- 'ग'कस्य वर्गस्य वर्णः अस्ति?

(क) क वर्गस्य (ख) ट वर्गस्य (ग) च वर्गस्य (घ) त वर्गस्य

3- व्यञ्जनवर्णाः कति सन्ति?

(क) 13 (ख) 33 (ग) 5 (घ) 8

4- एकस्मिन वर्गे कति वर्णाः भवन्ति?

(क) 2 (ख) 4 (ग) 3 (घ) 5

5- स्पर्श-व्यञ्जनाना संख्या कति सन्ति?

(क) 8 (ख) 25 (ग) 20 (घ) 13

6- संस्कृत- वर्णमालायां कति वर्णाः भवन्ति?

(क) 52 (ख) 46 (ग) 40 (घ) 44

7- निम्नलिखिताः वर्णाः केषां वर्गाणां सन्ति?

अ	ब
च	ट वर्ग
क	प वर्ग
ट	च वर्ग
त	क वर्ग
प	त वर्ग

द्वितीयःपाठः संयुक्त-व्यञ्जनानि

पाठ का परिचय

जब दो व्यञ्जनवर्ण परस्पर जुड़ते हैं ते वे संयुक्त-व्यञ्जन कहलाते है।

- क्ष- क + ष
- त्र- त + र
- ज्ञ- ज + ञ
- श्र- श + र
- द्य- द + य
- क्र- क + र

अयोगवाह- अयोगवाह न तो स्वर हैं नही व्यंजन। इन्हें चिहनो से जाना जाता हैं।

अयोगवाह

अनुस्वार-- विसर्ग ः

जैसे- हंस, वंश, मोहनः, बालकः

मात्रा का प्रयोग-

व्यञ्जन-वर्ण के साथ जब स्वरवर्ण को जोडा जाता है तब 'मात्रा'के रूप में लिखा जाता है। केवल 'अ' की मात्रा नहीं होती।

हलन्त-

जब व्यञ्जनवर्ण में कोई स्वरवर्ण नहीं होता तो व्यञ्जनवर्ण के नीचे एक तिरछी रेखा लगा दी जाती है। जैसे- त,च,प,ब,ल

वर्णसंयोग-

वर्णों को मिलाकर शब्द बनाने की प्रक्रिया को वर्णसंयोग कहा जाता है।

1- प + उ + स + त + अ + क + अ + म - पुस्तकम

2- श + इ + क + ष + इ + क + आ - शिक्षिका

वर्णविच्छेद-

'शब्द' से वर्णों को अलग करने की प्रक्रिया को वर्णविच्छेद कहते हैं।

1-आम्रम - आ+ म + र + अ + म

2- वृक्षः - व + ऋ + क + ष + अः

अभ्यासकार्यम

प्र-1 रिक्तस्थानानि पूरयत-

(क)1- प + ए - पे

2- च + इ - चि

3- न + उ - नु

4- म + औ - मौ

5- ग + ई - गी

6- ज + ऐ - जै

(ख) 1- द + य - द्य

2- श + र - श्र

3- ज + ञ - ज्ञ

4- क + ष - क्ष

5- प + र - प्र

6- त + र - त्र

प्र-2 बहुवैकल्पिक प्रश्नाः

1- मञ्जुषायाः अयोगवाहं चिनुत।

(क)आ (ख) ः (ग) क (घ) ज

2- मञ्जुषायाः संयुक्त- व्यञ्जनम चिनुत।

(क)ओ (ख) त्र (ग) ए (घ) म

3- 'छात्रः' अस्मिन पदे 'कः'संयुक्त- व्यञ्जनवर्णः ?

(क) छ (ख)आ (ग) त्र (घ) अः

प्र-3 वर्णविच्छेदं कुरुत।

1- कमलम - क + अ + म + अ + ल + अ + म

2- नयनम - न + अ + य + अ + न + अ + म

3- विद्यालयः - व + इ + द + य + आ + ल + अ + य + अः

4- शुकः - श+ उ + क + अः

5- मयूरः - म + अ + य + ऊ + र + अः

6- फलम - फ + अ + ल + अ + म

प्र-4 वर्णसंयोगकुरुत।

1- क + ऋ + ष + अ + क + अः - कृषकः

2- छ + आ + त + र + अः - छात्रः

3- अ + श + व + अः - अश्वः

4- व + आ + न + अ + र + अः - वानरः

5- श + अ + श + अ + क + अः - शशकः

6- द + ए + व + आ + ल + अ + य + अः - देवालयः

प्रवृत्ति

- **संयुक्त-व्यञ्जन शब्दः लिखत। (दश)**